हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, मंगलवार, 13 मई 2025

11 सड़क सुरक्षा व नशे के प्रति जागरूक किया

12 धीरज, निखिल, राधिका, वीर कार्तिक ने जीते गोल्ड मेडल

खबर संक्षेप

बिजली अदालत का आयोजन आज

बहादुरगढ़। बिजली से संबंधित उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित निवारण के लिए 13 मई को उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच एवं बिजली अदालत का आयोजन किया जाएगा। बहादुरगढ़ में बिजली अदालत सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित होगी। इस दौरान सिटी-1, सिटी-2, सब अर्बन, लाइनपार व बुपनिया उपमंडल क्षेत्र के उपभोक्ताओं की बिजली बिल, मीटर, कनेक्शन, वोल्टेज व अन्य समस्याएं (बिजली चोरी से संबंधित शिकायतों को छोड़कर) सुनी जाएंगी और उनका मौके पर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

बाइक चोरी के आरोप में युवक गिरफ्तार

बहादुरगढ़। सदर थाना पुलिस ने बाइक चोरी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी से चोरीशुदा बाइक भी बरामद की गई है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। दरअसल, गंगड़वा गांव का निवासी मोहित की कुछ दिन पहले एचएल सिटी पार्क से बाइक चोरी हो गई थी। उसकी शिकायत पर सदर थाने में केस दर्ज हुआ। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आारोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सोहन के रूप में हुई है। वह अलवर का रहने वाला है। आरोपी से चुराई गई बाइक भी बरामद कर ली गई है।

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव

बहादुरगढ़। गांव सांखोल के निकट रेलवे ट्रैक पर सोमवार की सुबह एक युवक का शव मिला। ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत होने की आशंका है। पुलिस ने शव को नागरिक अस्पताल में रखवा कर पहचान के प्रयास शुरू कर दिए हैं। घटना सोमवार सुबह की है। दरअसल, रेल लाइन के पास से गुजर रहे राहगीर की नजर शव पर पड़ी तो पुलिस को सूचना दी गई। जीआरपी की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की। आसपास लोगों से पूछताछ की लेकिन मौके पर पहचान नहीं हो सकी और न ही पहचान संबंधित कोई दस्तावेज मृतक के कपड़ों से बरामद हो सका। जांच अधिकारी राकेश कुमार के अनुसार, मृतक की उम्र करीब 22 वर्षी आंकी जा रही है। शव को 72 घंटे के लिए नागरिक अस्पताल में रखवा दिया है। इस समयावधि में शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। आसपास तमाम चौकी, थानों में सूचना जारी कर दी गई है। इंटरनेट मीडिया का भी सहारा लिया जा रहा है।

सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर राहुल धांधलानिया के घर पर फायर करने के आरोप में दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

पुलिस की एक टीम द्वारा सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर राहुल धांधलानिया के घर में घुसकर फायर करने मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस चौकी डीघल प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि पुलिस को दी शिकायत में धांधलान निवासी रिंकू पुत्र अनूप ने बताया कि जब वह शनिवार की रात करीब आठ बजे खाना खाने के बाद छत पर टहल रहा था।

उसी दौरान बाइक सवार दो युवक वीडियो बनाते हुए जबरन घर में घुस आए। इसके बाद उन्होंने छत की ओर फायर करते हुए उसे बड़े भाई राहुल को पुकारा और कहा कि वे उसे सबक सिखाने आए है। इस दौरान एक लड़के ने अप नाम अभिषेक पूनिया बताते कहा कि इंस्टाग्राम पर उसका नाम खोज लेना। उसने धमकी दी कि उसका भाई राहुल वीडियों में उनके खिलाफ बोलता है इसलिए वे उनके पूरे परिवार को खत्म कर देंगे। रिंकू के अनुसार इसके बाद दूसरे लड़के ने अपना नाम अक्षय बताया और दोनों हथियार लहराते हुए घर से भाग गए।

झज्जर। पकड़े गए आरोपी पुलिस टीम के साथ।

हिसार और जींद के रहने वाले आरोपी

पकड़े गए आरोपियों की पहचान अभिषेक निवासी खरक पुनिया जिला हिसार और रविश निवासी सिंधु खेड़ा जिला जींद के तौर पर की गई है। पकड़े गए आरोपी अभिषेक से एक अवैध हथियार, एक जिंदा कारतूस और एक खाली खोल बरामद हुआ वहीं दूसरे आरोपी रविश से एक डम्मी पिस्तौल बरामद हुआ है। पकड़े गए दोनों आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाई करते हुए स्थानीय अदालत में पेश किया गया। जहां से आरोपी रविश को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वहीं दूसरे आरोपी अभिषेक को पूछताछ के लिए एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

चिकन कॉर्नर के बाहर फायरिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

आरोपियों से वारदात में प्रयोग किया गया लाइसेंसी हथियार व वाहन बरामद

पटेल नगर स्थित एक चिकन कॉर्नर के बाहर दहशत फैलाने के मकसद से फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों से वारदात में प्रयोग किया गया हथियार व गाड़ी बरामद कर ली गई है।

ये था मामला

सेक्टर-6 थाना प्रभारी पवनवीर के अनुसार, बहादुरगढ़ के निवासी विक्की ने शिकायत दी थी कि पटेल नगर में उसका चिकन कॉर्नर/रेस्टोरेंट है। गत 10 मई की रात को उसके रेस्टोरेंट पर एक फॉर्च्यूनर गाड़ी आई। जिसमें से सन्नी व दीपक नाम के दो युवक उतरे। उन्होंने शराब पी रखी थी और उन्होंने मुझसे खाना मांगा। मैंने उनको बताया कि रेस्टोरेंट बंद हो चुका है।

जिस पर उन्होंने गाली गलौच करते हुए दहशत फैलाने की नीयत से हवाई फायर किए। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। दोनों आरोपी गिरफ्तार कर लिए हैं। ये सेक्टर-6 के रहने वाले हैं।

आरोपियों से वारदात में प्रयोग की गया लाइसेंसी हथियार व गाड़ी बरामद की गई है।

बहादुरगढ़। पुलिस की गिरफ्त में दोनों आरोपी

अतिक्रमण व नो पार्किंग जोन में वाहन खड़े करने पर पुलिस ने काटे चालान

■ यातायात पुलिस और नप की संयुक्त टीम ने वाहनों पर की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

यातायात पुलिस और नगर परिषद की ओर से सोमवार को शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान अतिक्रमण का कारण बने दुकानदारों को कड़ी फटकार लगाइ गई। कुछ दुकानदारों पर जुर्माना लगाया गया। वहीं नो पार्किंग में खड़े 22 वाहनों के भी पुलिस द्वारा चालान काटे गए। पुलिस व नगर परिषद की संयुक्त टीम ने रेलवे रोड, नाहरा-नाहरी रोड पर दस्तक दी थी। यातायात प्रभारी विकास कुमार ने बताया कि रेलवे रोड पर यातायात व्यवस्था को लेकर आमजन की काफी शिकायतें आ रही थी। इसे देखते हुए नप टीम के साथ रेलवे रोड से अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ नो पार्किंग में खड़े वाहनों तथा नियम तोड़ने वाले चालकों पर कार्रवाई की गई। नो पार्किंग के 22 सहित नियमों की अनदेखी करने वाले 72 वाहन चालकों के चालान काटे गए।

■ रेलवे रोड, नाहरा-नाहरी रोड पर टीम की दस्तक से मचा रहा हड़कंप

बहादुरगढ़। कार्रवाई के लिए टीम सहित बाजार में पहुंचे एसएचओ।

बाजारों में अतिक्रमण को सहन नहीं किया जाएगा

नगर परिषद की टीम द्वारा ऐसे कई दुकानदारों के चालान किए गए, जो समझाने के बाद भी अपना सामान दुकान के काफी बाहर तक रखे हुए थे। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण के कारण अव्यवस्था हावी हो जाती है। आमजन को परेशानी होती है। दुकानदार व्यवस्था बनाने में सहयोग दें और अतिक्रमण न करें। आम नागरिक भी इधर-उधर बेढंगे तरीके से वाहन न खड़ा करें। आगे भी यह अभियान जारी रहेगा। अतिक्रमण करने और नियम तोड़ने वाले चालकों पर सख्ती की जाएगी।

पुलिस ने मेट्रो स्टेशन के पास मिले बच्चे को परिजनों से मिलवाया

बहादुरगढ़। अपराधियों को पकड़ने के साथ-साथ पुलिस खोए हुए बच्चों, लोगों को सकुशल बरामद कर उनके अपनों के चेहरे पर मुस्कान ला रही है। बीते कुछ दिनों ने बहादुरगढ़ पुलिस ने कई बिछड़े हुए बच्चों, लोगों को उनके अपनों से मिलाया है। अब सेक्टर-6 थाना पुलिस ने मेट्रो स्टेशन के पास मिले बच्चे को उसके परिजनों से मिलवाया। दरअसल, मेट्रो स्टेशन के पास एक मासूम बच्चा घूम रहा था। उसके आसपास कोई अपना नहीं था। किसी की नजर पड़ी तो पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पाकर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बच्चे को संभाला। बच्चे से उसके अभिभावकों के बारे में पूछने की कोशिश की गई लेकिन छोटा होने के कारण वह कुछ भी स्पष्ट बताने में अस्मर्थ था। थाना प्रभारी पवन वीर के अनुसार, टीम ने बच्चे को साथ लेकर शहर के विभिन्न स्थानों पर जाकर उसके माता-पिता की तलाश की। काफी प्रयास के बाद पुलिस द्वारा बच्चों के माता-पिता के बारे में पता चला। बच्चे के अभिभावक उत्तर प्रदेश के निवासी हैं। पुलिस ने बच्चे को सही सलामत उसके परिजनों के हवाले कर दिया। बच्चा पाकर परिजनों की भी जान में जान आई। उन्होंने पुलिस की प्रशंसा की। वहीं पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अपने बच्चों का ख्याल रखें।

ट्राले और ट्रक की टक्कर में चालक की मौत, केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

आसंडा बाईपास के निकट ट्राले और ट्रक की टक्कर हो गई। इस हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंप दिया है। इस संबंध में ट्राला चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मृतक की पहचान करीब 43 वर्षीय जितेंद्र के रूप में हुई है। वह हरिद्वार का रहने वाला था। पेशे से ट्रक चालक था। जानकारी के अनुसार, 11 मई को वह बावल से गाड़ी लोड कर उत्तराखंड की ओर जा रहा था। गाड़ी में कंडक्टर निंकुज भी सवार था।

ये हुआ हादसा

रात करीब ढाई बजे जब आसंडा बाइपास पर पहुंचे तो यहां सामने चल रहे ट्राले ने ब्रेक लगा दिए। जिससे इनका ट्रक उससे जा टकराया। इस टक्कर में ट्रक का केबिन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और जितेंद्र को गंभीर चोट आई। राहगीरों की मदद से उसे पीजीआई ले जाया गया।

जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। सूचना मिली तो परिजन पीजीआई पहुंचे। पुलिस ने भी मामले में जांच शुरू की। परिजनों के बयान के बाद सोमवार को पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कराई। इस हादसे के लिए परिजनों ने ट्राला चालक को जिम्मेदार ठहराया है। मृतक के जीजा बिजेंद्र का कहना है कि ट्राला चालक ने अचानक ब्रेक लगाए।

जिस कारण यह हादसा हुआ। हादसे के बाद ट्राला चालक मौके से फरार हो गया। उधर, पुलिस ने बिजेंद्र की शिकायत पर ट्राला चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

■ आसंडा बाईपास के पास हादसा पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद ट्रक चालक का शव परिजनों को सौंपा

प्रेमी युगलों की सुरक्षा के लिए पुलिस ने स्थापित किया हेल्प डेस्क : डॉ. राजश्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

जिला पुलिस आयुक्त डॉक्टर राजश्री सिंह ने बताया कि माननीय उच्च न्यायालय के आदेशानुसार प्रेमी युगल को पुलिस सुरक्षा उपलब्ध करवाएगी। इसके लिए जिला पुलिस लाईन में महिला सुरक्षा हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है। जिसका नोडल अधिकारी एसीपी अनिरुद्ध चौहान को लगाया गया है। जिस भी प्रेमी युगल को पुलिस सुरक्षा की जरूरत हो वह सुरक्षा के लिए पुलिस के पास आवेदन करें। उन्होंने कहा कि प्रेमी युगल अपने नजदीकी थानों में भी सुरक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं इसके लिए प्रत्येक पुलिस स्टेशन में एक पुलिस कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि प्रेमी युगल द्वारा सुरक्षा के लिए किए गए आवेदन पर बिना किसी देरी के तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रेमी युगल किसी आपात स्थिति में डायल 112 पर कॉल कर सहायता ले सकते हैं।

■ एसीपी अनिरुद्ध चौहान नोडल अधिकारी नियुक्त

साहिल हत्याकांड का दूसरा आरोपी भी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

झज्जर रोड स्थित सब्जी मंडी में हुए साहिल हत्याकांड में शामिल दूसरे आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को एक दिन के रिमांड पर लेकर पुलिस द्वारा पूछताछ की जा रही है।

दरअसल, सब्जी मंडी में छह मई की देर रात को साहिल तथा उसके चचेरे भाई मनोज पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया गया था। इस हमले में साहिल की मौत हो गई थी। इस संबंध में साहिल, मनोज के चचेरे भाई सागर तथा उसके साथी विक्रम पर केस दर्ज हुआ था। हाल ही में पुलिस ने आरोपी सागर को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया था। अब दूसरे आरोपी विक्रम को भी गिरफ्तार किया गया है।

ये था मामला : एसएचओ पवनवीर सिंह ने बताया कि छह मई की रात को वारदात हुई थी। मामले में शामिल दोनों आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। आरोपी विक्रम सोनीपत के पिथोपरा का रहने वाला है।

तेज आंधी से गिरे खंभे बिजली सप्लाई बाधित

झज्जर। रविवार देर रात आई तेज आंधी और बरसात के कारण जहां बिजली के खंभे गिर गए, वहीं अनाज मंडी परिसर में रखा अनाज भी भीग गया। बिजली के खंभें गिर जाने से विभिन्न क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रही। जिसके कारण लोगों को अपने रोजमर्रा के कार्य निपटाने में परेशानी हुई, वहीं बाजार के कारोबार पर भी इसका असर पड़ा। इसके अलावा अनाज मंडी में गेहूं व सरसों भीग गई। जिसके कारण आढ़तियों को काफी नुकसान हुआ और श्रमिक दिनभर फसलों को सूखाने में लगे रहे।

जिले में 56 ड्रेन, 15 जून तक साफ करने की डेडलाइन, डीसी ने बैठक में की तैयारियों की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

सोमवार को डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने लघु सचिवालय सभागार में आपदा प्रबंधन और बाढ़ राहत उपायों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन और बाढ़ राहत उपायों की तैयारियों के लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय बनाते हुए कार्य करें, परिणाम बेहतर आएंगे। बरसात का सीजन का आने से पहले सभी संबंधित विभाग जैसे नगर निकाय, सिंचाई, जन स्वास्थ्य, लोक निर्माण, एचएसवीपी, एचएसआईआईडीसी मार्केटिंग बोर्ड अपने अपने विभाग से संबंधित जल निकासी नालों और ड्रेन की सफाई मानसून सीजन से पहले पूरा कर लें। बाढ़ राहत उपायों के तहत चल रहे प्रोजेक्ट को सीजन से पहले पूरा करने पर फोकस करें। सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता सतीश जनावा ने बैठक में डीसी को बताया कि जिला में जल निकासी के लिए 56 ड्रेन हैं, इनमें दो बड़ी जो कि ड्रेन नंबर आठ और केसीबी शामिल हैं। इन सभी ड्रेन की सफाई का कार्य 15 जून से पहले कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला भर में बरसाती जल निकासी के लिए 33 स्थायी पंप हाउस, 287 मोबाइल बिजली चालित पंप सेट और 100 डीजल चालित पंप सेट हैं। इसके अतिरिक्त दस हजार सैंड बैग की व्यवस्था भी की है।

बिना रजिस्ट्रेशन चलने वाले कोचिंग संस्थानों पर होगी सख्त कार्रवाई

झज्जर। जिला में कोचिंग सेंटर चलाने वालों के लिए पंजीकरण करना अनिवार्य है। जिले में संचालित सभी सेंटर संचालक जल्द से जल्द पंजीकरण कराना सुनिश्चित करें। जो सेंटर पंजीकरण नहीं करवाएंगे उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। यह बात सोमवार को डिस्ट्रिक्ट अथॉरिटी फॉर प्राइवेट कोचिंग इंस्टीट्यूट की मीटिंग को संबोधित करते हुए डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा दी हरियाणा रजिस्ट्रेशन एंड रेगुलेशन ऑफ प्राइवेट कोचिंग इंस्टीट्यूट एक्ट को लागू कर किया गया है। एक्ट के लागू होने के बाद अब प्राइवेट कोचिंग सेंटर चलाने के लिए पंजीकरण अनिवार्य है। इन गाइडलाइंस में कोचिंग सेंटर संचालकों में छात्रों की सुरक्षा, फीस व अन्य सुविधाओं को लेकर भी नियम बनाए गए हैं।

स्कूलों में किया जाएगा नई एसएमसी का गठन, दो वर्ष का रहेगा कार्यकाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

सरकारी स्कूलों मे इस बार स्कूल प्रबंधन समिति का गठन नए सिरे से होने जा रहा है। हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद ने इस बारे मे जिला परियोजना अधिकारी को निर्देश जारी किए है कि इसी माह स्कूलों में एसएमसी गठन की प्रक्रिया पूरी की जाए। जिला परियोजना संयोजक रतेंद्र ने बताया कि इससे पूर्व 2023 में एसएमसी का गठन किया गया था जिसका कार्यकाल बीते 31 मार्च को पूरा हो चुका है। प्रत्येक विद्यालय के अंदर एक एसएमसी होती है जिसमें एक से तीन सौ विद्यार्थी संख्या पर 12 सदस्य, 301 से 500 तक की विद्यार्थी संख्या पर 16 तथा 501 से ज्यादा पर 20 सदस्य एमएससी में शामिल होते हैं। स्कूल प्राचार्य इस समिति का सचिव व एक अन्य अध्यापक व एबीआरसी इसमें पदेन सदस्य होते हैं व एक शैक्षिक या सामाजिक अनुभव रखने वाला बौद्धिक व्यक्ति भी सम्मलित किया जाता है। उन्होंने बताया कि एसएमसी का सदस्य वही व्यक्ति बन सकता है जिसका बच्चा उस स्कूल में पढ़ता हो। एपीसी धर्मेंद्र आर्य ने बताया गया कि खंड स्तर पर एबीआरसी व बीआरपी को प्रशिक्षण देने के लिए एक-एक मास्टर ट्रेनर की नियुक्ति कर दी गई है। जिनके द्वारा उन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा। एपीसी विशाल दहिया ने बताया कि एसएमसी सदस्यों का भी यह दायित्व रहेगा कि आउट ऑफ स्कूल्स बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का कार्य करें।

जिले में 519 सरकारी स्कूल

झज्जर जिले के सभी 519 सरकारी स्कूलों के अंदर इसका गठन किया जाएगा तथा एबीआरसी व बीआरपी द्वारा चयनित एसएमसी सदस्यों को उनके अधिकारों व कर्त्तव्य के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण स्कूल स्तर पर दिया जाएगा। इसमें प्रत्येक स्कूल को 750 रुपये की धनराशि भी हस्तांतरित की जाएगी व समय-समय पर जिला स्तरीय व खंड स्तरीय अधिकारियों द्वारा इस कार्यक्रम का निरीक्षण भी किया जाएगा।

हरिभूमि सहेली

विशेष
अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस, 15 मई

परिवार से दूर रहकर सुखी जीवन की चाहत रखना एक बहुत बड़ी भूल है। परिवार वो छाया है, जो संकट की तपती धूप में हमें शीतलता देता है, हमारा संबल बनता है। इसलिए जरूरी है हम हमेशा पारिवारिक मूल्यों को बनाए रखें। परिवार के लोग प्रेम-स्नेह से बंधे रहें।

परिवार का प्रेम-स्नेह जीवन का है आधार

आवरण कथा
डॉ. मोनिका शर्मा

परिवार को जीवन की पहली पाठशाला कहा जाता है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती आ रही यह मान्यता हर इंसान को मानवीय मूल्यों से जोड़कर रखती है। विचार-व्यवहार के मोर्चे पर जीवन को साधने का पाठ पढ़ाती है। अपनों के साथ संबल का ठिकाना कहे जाने वाले परिवार में ही तो एक छत के नीचे रहकर सुख-दुख साझा किया जाता है। हर उतार-चढ़ाव में जिंदगी से जुड़े रहने की हिम्मत बनी रहती है। परिवार, समाज की सबसे छोटी इकाई है जरूर, लेकिन समाज की बुनियाद को मजबूती देने में इस इकाई के मायने बहुत अहम हैं। समाज को बनाने और बनाए रखने में परिवार की अहमियत हमेशा से रही है, लेकिन अब परिवार के मूल स्वरूप में बिखराव साफ दिखने लगा है। यही वजह है कि हर साल घर-आंगन से जुड़े बहुत से विषयों पर विमर्श के लिए अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाता है। परिवार दिवस को पारिवारिक ताना-बाना सहेजने की कोशिश के रूप में देखा जाता है।

मानवीय समझ को पोषण

पारिवारिक खुशहाली का समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण रोल होता है। दुनिया के हर हिस्से में परिवार ही समाज के भावी नागरिक को इंसानियत का पाठ पढ़ाता है। बुजुर्गों को स्नेह-सुरक्षा का साया मिलता है। युवा परिवार में सही मार्गदर्शन पाते हैं। रिश्तों के ताने-बाने का यह बंधन हर उम्र के लोगों को कुछ न कुछ देता ही है। यों भी जिंदगी का हर सबक अपने परिवार में ही सीखा जाता है। अपने आंगन में मिली सीख से ही आगे चलकर नई पीढ़ी का व्यक्तित्व पूर्णता पाता है। परिवार ही बड़ों की संभाल और देखभाल का आधार बनता है। हमारे फैमिली सिस्टम में मौजूद यह आपसी जुड़ाव, जो मजबूत पृष्ठभूमि बनाता है, वह हर परिस्थिति में मन-जीवन को थामती है। पारिवारिक व्यवस्था सही मायने में हमारे जीवन का आधार स्तंभ है। परिवार में साथ-साथ रहना, सुख-दुख साझा करने की सोच, अपनेपन के भाव हमें आपस में दिल से जोड़े रखते हैं। हर तरह से एक-दूसरे के साथ समन्वय और सहयोग भरा भाव ही पारिवारिक संबंधों का संबल है। परिवार में खुशियों और जिम्मेदारियों का एक अनोखा मेल होता है, जो सभी को आपस में बांधे रहता है। यही बंधन हमें अच्छे-बुरे वक्त में थामने का काम करते हैं। बड़ों को मान और बच्चों को मनुहार परिवार में ही मिल सकती है। हमारे यहां हर तबके के परिवारों में यही स्नेहपूरित सोच रही है। जीवन को साधने-समझने वाले हर मानवीय भाव-चाव को परिवार ही पोसता आया है।

बिखरता ताना-बाना सहेजने के प्रयास

हालिया वर्षों में टूटते-बिखरते परिवारों का बढ़ता आंकड़ा चिंता का विषय बन गया है। दुनिया के हर समाज में परिवार के महत्व को रेखांकित किए जाने के बावजूद पारिवारिक ढांचा बिखर रहा है। कहीं बच्चे अकेले छूट रहे हैं तो कहीं बुजुर्ग स्नेह-साथ को तरस रहे हैं। बहुत से युवा शादी कर परिवार बसाना ही नहीं चाहते तो कई कपल्स शादी के बाद अपने रिश्ते को बिखरने से नहीं बचा पा रहे हैं। दुनिया भर में पारिवारिक सुदृढ़ता के लिए सराहे जाने वाले हमारे देश में भी अब तलाक के मामले बढ़े हैं। अपनों के साथ ही बर्बरता करने के मामले भी आए दिन सामने आते हैं। बदलती लाइफस्टाइल के चलते परिवार छोटे होते जा रहे हैं। जीवन की आपा-धापी में इतना कुछ नया जुड़ रहा है कि परिवार और अपने ही पीछे छूट रहे हैं। पारिवारिक कलह के चलते लोग अपनों की जान लेने से भी नहीं चूक रहे। भावनाओं भरे जुड़ाव पर स्वार्थी सोच हावी हो रही है। वर्चुअल दुनिया में अंजान चेहरों से जुड़ने के इस दौर में अपनों की उपेक्षा की संस्कृति पनप रही है। यही वजह है कि पारिवारिक मूल्यों को सहेजने के लिए कोशिशें जरूरी हैं। बदलते हालातों से जुड़ी सजगता लाने, परिवार के प्रति लोगों में लगाव को बढ़ाने और इस संस्था की अहमियत बताने के लिए ही इंटरनेशनल फैमिली-डे मनाया जाता है। हर साल यह दिन एक खास थीम के साथ सेलिब्रेट किया जाता है। वर्ष 2025 की थीम 'सतत विकास के लिए परिवार-उन्मुख नीतियां-सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की ओर' रखी गई है। जिसका उद्देश्य समाज के डेवलपमेंट के लिए परिवार की बेहतरी से जुड़ी पॉलिसीज पर फोकस करना है। साथ ही यह विषय फैमिली सिस्टम से जुड़ी मौजूदा नीतियों और मुद्दों के एनालिसिस और रिव्यू से भी जुड़ा है। समझना मुश्किल नहीं कि मौजूदा पॉलिसीज को समझकर ही भविष्य में पारिवारिक मूल्यों को बेहतर बनाने की राह तलाशी जा सकती है।

अपनों का प्रेम-साथ-स्नेह अनमोल

असल में व्यवस्थागत प्रयासों के साथ हमें भी परिवार से जुड़ाव के अर्थ को समझना होगा। सब कुछ बनाने-जुटाने के फेर में गांवों से लेकर मेट्रो सिटीज तक लोग यह भूल रहे हैं कि परिवारजनों के बीच साझे सुख-दुःख की भावना ही रीत रही है। आज भावनात्मक दूरियां बढ़ रही हैं। ऐसे में हमें याद रखना होगा कि परिवार के सभी सदस्यों को भावनाओं की डोर से बंधे रहना चाहिए। अपनों का साथ हर किसी के मन को छोटी से छोटी खुशी में भी अनमोल सुख देता है। रिश्तों का यह ताना-बाना स्नेह बांटना भी सिखाता है और खुशियों को जीना भी। फाइनेंशियल परेशानी हो या बीमारी, अपने ही तो हर कष्ट में साथ खड़े नजर आते हैं। इतना ही नहीं अपनों का साथ पाकर हर तरह के दुःख से जूझने की शक्ति भी मिलती है। कई समस्याएं दिलो-दिमाग को विचलित किए बिना ही हल हो जाती हैं। संबल और सुख का यह परिवेश परिवारजनों के साथ रहकर ही संभव है। तीज-त्योहारों की रौनक भी अपनों के साथ से ही होती है। मन में उत्साह-उमंग जगाने वाली खुशियां, परिवार के साथ बिना अधूरी-सी लगती हैं। घर-परिवार से मिलने वाला सुख-समर्पण का यह भाव ही हमें समाज और देश से जोड़ता है। समझना मुश्किल नहीं कि स्ट्रेस, डिप्रेशन और अकेलेपन से जूझते लोगों के आंकड़े में इजाफे का एक कारण पारिवारिक टूटन भी है। अपनी जड़ों से जुड़ाव रखना हो या मन-जीवन की जद्दोजहद का सामना करना, परिवार का साथ बहुत मायने रखता है। अपनों के बीच अनमोल साथ स्नेह को कायम रखने वाली कुटुंब व्यवस्था की भूमिका सुरक्षा, सेहत और संभाल हर पहलू पर अहम है। ❀

दुख बांटने का सुख एक मानवीय अनुभव

सुख-दुख हर किसी के जीवन में आते हैं। लेकिन दुख साझा करने से उसे सहना थोड़ा आसान हो जाता है। इसलिए घर-परिवार में या कोई भी जानने वाला अगर दुख में दिखे तो उसका सहारा बनें, उसका दुख जरूर बांटें।

संवेदना
यशोधरा भटनागर

रहीम का एक दोहा है- रहिमन निज मन की बिथा, मन ही राखो गोय/ सुनि अठिलैहैं लोग सब, बांटि न लैहैं कोय।। इस दोहे का मतलब है कि अपने मन के दुख को मन में ही रखना चाहिए। दूसरों का दुख सुनकर लोग इठला भले ही लें, लेकिन उसे कम करने वाला कोई नहीं होता। साथ ही, लोग दूसरे का कष्ट सुनकर उसका उपहास भी उड़ाते हैं। वहीं दूसरी ओर यह भी कहा जाता है कि दुख बांटने से कम होता है। सच ही है, दुखों को हल्का करने के लिए, सिर रख कर रोने के लिए एक कंधा मिल जाए तो दुख कम तो नहीं होता पर एक ऐसा एहसास जुड़ जाता है, जो व्यक्ति के लिए संबल बन जाता है और वह दुख का सामना करने की शक्ति पा जाता है।

जीवन को गतिमान बनाते हैं सुख-दुख: मनुष्य का जीवन सुख और दुख के द्वंद्व में सदा गतिमान रहता है। सुख हमें आनंद देता है, परंतु दुख हमारी सहनशीलता, हमारे रिश्तों और हमारे भीतर छुपे मानवीय गुणों की परीक्षा लेता है। दुख एक ऐसा अनुभव है, जिसे यदि अकेले सहा जाए तो वह भारी लगता है, लेकिन यदि इसे किसी के साथ बांटा जाए, तो यह हल्का लगता है, एक अनोखे सुख का भी रूप ले लेता है। यह सुख गहरे मानवीय संबंधों और सहानुभूति के मूल्य को दर्शाता है। इसलिए हमें अपने आस-पास के लोगों का दुख बांटना चाहिए, दुखी व्यक्ति को अकेले नहीं छोड़ देना चाहिए। अस्सी वर्षीया शांति देवी की आंखें उस दिन बार-बार बरस रही थीं। पति का जन्मदिन जो था। भावों का तीव्र प्रवाह हृदय को उद्वेलित कर रहा था। सात बरस हो गए पति के देहांत हुए, लेकिन आज भी वह आस-पास ही महसूस होते हैं। शांति देवी पल भर भी उन्हें भुला नहीं पाई हैं। पहाड़-सा दुख मन पर डटा खड़ा है। दीवारों से घिरी वो अकेली हैं, नितांत अकेली। वे दीवारों से ही बतियाती हैं। दीवारें मौन हैं और दुख का पहाड़ उतना ही बड़ा। यह आज के समाज का विद्रूप-कुरूप चेहरा है।

कम होता है भावनात्मक बोझ: दुख एक मानसिक और भावनात्मक बोझ है। इसे बांटने की प्रक्रिया न केवल इस बोझ को हल्का करती है, बल्कि उसमें छुपे तनाव, अकेलेपन और हताशा को भी कम करती है। यह वही प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपने भीतर के भावों को शब्दों के माध्यम से बाहर निकालता है। एक सच्चे मित्र या हमदर्द के साथ ऐसा करने से व्यक्ति को यह विश्वास होता है कि कोई उसे समझ रहा है, उसकी पीड़ा में शामिल है। यह विश्वास ही उसे मानसिक और भावनात्मक सुकून देता है।

दुख सुनाने और सुनने वाले बंधते हैं अदृश्य बंधन में: हर व्यक्ति को जीवन में ऐसे किसी साथी की आवश्यकता होती है, जो उसके दुख को सुन सके, उसे समझ सके। मित्रता और हमदर्दी इस प्रक्रिया में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं। एक सच्चा मित्र न केवल हमारे सुख के पलों का सहभागी होता है, बल्कि हमारे दुख के समय एक आश्रय भी बनता है।

मिलती है आंतरिक संतुष्टि: जब हम किसी के साथ अपना दुख साझा करते हैं, तो हमें एक आंतरिक संतुष्टि मिलती है। यह संतोष इस बात का प्रतीक है कि हमने अपने भावनात्मक बोझ को हल्का किया है। ❀

मेकअप
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

प्रॉपर मेकअप से मिलेगा अट्रैक्टिव लुक

आकर्षक-खूबसूरत दिखने के लिए आप हर पॉसिबल स्टेप फॉलो करती हैं। अगर किसी पार्टी में जाना हो तो स्टाइलिश ड्रेस चुनती हैं, ताकि सबसे अलग दिखें। लेकिन अच्छी ड्रेस भी आपकी ब्यूटी को तभी उभारता है, जब मैचिंग मेकअप अप्लाई किया जाए। हालांकि मेकअप तो सभी महिलाएं करती हैं लेकिन सही तरीके से किया गया मेकअप ही आपके लुक को निखार सकता है। इसके लिए जरूरी है कि आपको मेकअप करने का सही तरीका पता हो। अगर आप मेकअप करने से पहले यह तय ही नहीं कर पाती हैं कि आपको किस तरह का मेकअप करना है और कैसा मेकअप आप पर अच्छा लगेगा, तो हम आपको सिंपल लेकिन इंप्रेसिव मेकअप स्टेप्स के बारे में यहां बता रहे हैं।

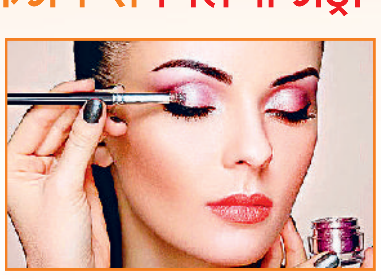

बेस तैयार करें: मेकअप बेस तैयार करने के लिए आपको सबसे पहले प्राइमर लगाना चाहिए। इसके बाद चेहरे पर फाउंडेशन लगाएं और फाउंडेशन का चुनाव हमेशा अपनी स्किन टोन से एक टोन अपर शेड का सेलेक्ट करें। इसके बाद आप फेस पावडर लगाएं। अगर आप गालों को हाईलाइट करना चाहती हैं, तो पीच ब्लश ऑन का भी इस्तेमाल करें। इस बात का भी ध्यान रखें कि फाउंडेशन लगाने के बाद गीले स्पंज को चेहरे पर डैब करें, ताकि फाउंडेशन अच्छे से ब्लेंड हो जाए।

आई मेकअप: निखरी खूबसूरती पाने के लिए आंखों का परफेक्ट मेकअप भी बहुत मायने रखता है। अच्छा आई मेकअप आपके पूरे लुक को बेहतर बनाने में मददगार साबित हो सकता है। इसके लिए आपको सबसे पहले आंखों के आस-पास की स्किन और पलकों के ऊपरी हिस्से पर बेस तैयार करना चाहिए और प्राइमर और फाउंडेशन लगाना चाहिए। आप आंखों को यदि बड़ा दिखाना चाहती हैं, तो लाइट आईशैडो का इस्तेमाल करना चाहिए। आप काजल और आईलैशेज का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

लिपस्टिक: लिपस्टिक का चुनाव करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि डे पार्टी में लाइट और न्यूड शेड्स की लिपस्टिक कैरी करें और नाइट पार्टी में डार्क रेड, ब्राउन या फिर डार्क पिंक कलर की लिपस्टिक अप्लाई करें। होंठों के आकर्षण के लिए लाइट और नेचुरल कलर्स का उपयोग करना चाहिए। ज्यादा डार्क या ब्राइट कलर लगाने से परहेज करना चाहिए। लिपस्टिक की रंगत चुनते समय अपनी स्किन शेड को जरूर ध्यान में रखें। अगर आपकी स्किन टोन में पीलापन है तो ऑरेंज कलर की लिपस्टिक से परहेज करें। डस्की स्किन के लिए यलो कलर की लिपस्टिक से परहेज करें। गर्मियों में सामान्य त्वचा के लिए हल्के रंग बेहतर लगते हैं, लेकिन सांवली रंगत के लिए चमकीले रंग बेहतर होंगे। आप डार्क यलो शेड्स का प्रयोग भी कर सकती हैं। रात में होंठों से लिपस्टिक हटाना न भूलें। लिपस्टिक के बचे रंग होंठों को सूखा कर सकते हैं। ❀

आप नया घर बनवा रही हैं या पुराने घर का रिनोवेशन करवा रही हैं तो आप जरूर किचेन को भी आकर्षक डिजाइन में देखना चाहेंगी। इसलिए हम आपको यहां बता रहे हैं, कुछ मॉडर्न किचेन डिजाइंस के बारे में।

अट्रैक्टिव-कंफर्टेबल मॉडर्न किचेन डिजाइन

इंटीरियर
रेणु लैसी फ्रांसिस

हर घर में रसोई यानी किचेन का खास महत्व होता है। यहीं पर आप पूरे परिवार के लिए खाना-नाश्ता बनाती हैं। होम मेकर्स के दिन का काफी समय यहीं बीतता है। इसलिए इसका इंटीरियर न केवल आकर्षक बल्कि सुविधाजनक भी होना चाहिए। हालांकि पुराने दौर में घरों में जिस तरह के किचेन हुआ करते थे, आज उसके स्वरूप में काफी बदलाव हुए हैं। जैसे-जैसे तकनीक में सुधार हुआ, किचेन में सुविधाएं भी बेहतर होती गई हैं। आजकल मॉड्यूलर किचेन महिलाओं की पहली पसंद बन रही है। नए इंटीरियर ट्रेंड में किस तरह के किचेन पसंद किए जा रहे हैं, आप जरूर जानना चाहेंगी।

ओपन किचेन: आजकल विदेशों की तरह अपने यहां भी घरों में ओपन किचेन लोगों की पहली पसंद बनता जा रहा हैं। यह डायनिंग रूम और हॉल के साथ ही बनाए जाते हैं। ओपन किचेन में कोई दरवाजा नहीं होता, यह बिल्कुल खुला हुआ होता है। चारों तरफ से रोशनी और हवा आती रहती है। आप इस किचेन में काम करते हुए अन्य लोगों से बातचीत भी कर सकती हैं। आप किसी इंटीरियर डिजाइनर की सलाह से ओपन किचेन बनवा सकती हैं।

वाल किचेन: छोटी जगह के लिए वाल किचेन एक अच्छा ऑप्शन है। आजकल लोग एक दीवार वाला किचेन ज्यादा बनवाना पसंद कर रहे हैं। आप रसोई के सामानों को एक दीवार के साथ व्यवस्थित रख सकती हैं। जिससे सब कुछ आसानी से एक ही जगह मिल जाता है। किचेन में सामानों को स्लाइडिंग दरवाजे के पीछे या कैबिनेट के भीतर रखा जा सकता है। आप एक सामान के ऊपर दूसरा सामान भी रख सकती हैं, जिससे छोटी जगह का भी उपयोग ईजीली हो जाता है।

एल शेप किचेन: आजकल एल शेप के किचेन भी काफी बनवाए जा रहे हैं। यह छोटी और बड़ी दोनों जगहों पर आसानी से बन जाता है। इसमें आप कम जगह में ज्यादा सामान को आसानी से स्टोर कर सकती हैं। कुकिंग एरिया और स्टोर को अलग दो भाग में बनाने के लिए आजकल एल शेप के किचेन ज्यादा बनाए जा रहे हैं। एक तरफ खुली जगह जहां आप खाना बना सकती हैं। दूसरे भाग में आप सामान रख सकती हैं। अगर आपके पास छोटा किचेन स्पेस है तो एल शेप का किचेन बनवा सकती हैं।

पैरेलल किचेन: ऐसा किचेन कम जगह में आसानी से बन जाता है। अगर आपके घर में स्मॉल गैलरी जैसा शेप है तो आप यहां पैरेलल किचेन बनवा सकती हैं और किचेन को क्लासिक लुक भी दे सकती हैं। पैरेलल किचेन में एक समय में एक से अधिक व्यक्ति काम नहीं कर पाते हैं।

यू शेप किचेन: आपके घर में ज्यादा और बड़ी जगह है तो आप यू शेप का किचेन बनवा सकती हैं। इसमें आपको स्पेशियस स्टोरेज की सुविधा मिलेगी। यू शेप के किचेन में आप आसानी से सिंक, कुकटॉप, ओवन और रेफ्रिजरेटर को रख सकती हैं। यू शेप के किचेन में दो-तीन लोग आराम से एक साथ काम कर सकते हैं। आपका परिवार बड़ा है तो यू शेप किचेन को बनवाने में ही समझदारी है। ❀

(इंटीरियर डिजाइनर वरिजा बजाज से बातचीत पर आधारित)

मेंटल हेल्थ
डॉ. विपुल रस्तोगी
सीनियर साइकिएट्रिस्ट, गुरुग्राम

आजकल अनेक महिलाएं कई वजहों से अलग-अलग मनोरोगों की शिकार हो रही हैं। क्यों होता है ऐसा, इसके लक्षणों को कैसे पहचानें और इससे बचाव के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? यहां बता रहे हैं डिटेल में।

तब आपका मन नहीं होगा बीमार

आज लोगों की जीवनशैली में व्यस्तता इतनी ज्यादा बढ़ रही है कि उनके पास खुद पर ध्यान देने और अपने परिवार के सदस्यों से भी बातचीत करने का समय नहीं होता है। इस तनावपूर्ण जीवनशैली के प्रभाव से महिलाएं भी अछूती नहीं हैं। इस दबाव की वजह से हमेशा उनका मन अशांत और उदास रहता है, वे स्ट्रेस, एंग्जायटी और डिप्रेशन जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याओं की शिकार हो जाती हैं। इनके बारे में आपको पता होना चाहिए।

मेंटल स्ट्रेस: पुराने समय की तुलना में आज की महिलाओं का जीवन ज्यादा मुश्किलों से भरा है। संयुक्त परिवार तेजी से टूट रहे हैं और शहरों में न्यूक्लियर फैमिली की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसी स्थिति में होममेकर्स के आस-पास कोई ऐसा व्यक्ति नहीं होता, जिसके साथ वे अपने मन की बातें शेयर कर सकें। इसकी वजह से उनका तनाव बढ़ने लगता है।

प्रमुख लक्षण: उदासी, चिड़चिड़ापन, थकान, अनिद्रा, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, कार्य क्षमता का घटना और निराश हो जाना इसके प्रमुख लक्षण हैं।

बचाव-उपचार: नए लोगों से दोस्ती बढ़ाएं, प्रियजनों के साथ मन की बातें शेयर करें, म्यूजिक सुनें, बागवानी या स्पोर्ट्स जैसी एक्टिविटीज में अपनी सक्रियता बढ़ाएं। नियमित रूप से योग और प्राणायाम करें। सही ढंग से टाइम मैनेजमेंट करते हुए अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। अगर इन प्रयासों के बावजूद तनाव कम न हो तो मनोवैज्ञानिक से संपर्क करें।

एंग्जायटी: यह ऐसी मनोदशा है, जिसमें अत्यधिक चिंता, डर या बेचैनी महसूस होती है। खान-पान की गलत आदतों के कारण होने वाले हार्मोन संबंधी असंतुलन भी इसके लिए जिम्मेदार हैं।

प्रमुख लक्षण: मन में बार-बार नकारात्मक विचार आना, हमेशा सशंकित रहना, वर्तमान को छोड़कर भविष्य के बारे में लगातार सोचते रहना, खुद को लाचार महसूस करना, दिल की घड़कन तेज होना, पसीना आना, थकान और सांस लेने में तकलीफ होना।

बचाव-उपचार: सोने-जागने का समय सुनिश्चित करें, जब मन परेशान हो तो गहरी सांस लें, योग और ध्यान करें, करीबी लोगों के साथ इस समस्या के बारे में खुलकर बातचीत करें, हमेशा अच्छा सोचें और मोटिवेशनल किताबें पढ़ें। इन प्रयासों के बावजूद अगर आपकी मनोदशा में कोई बदलाव न आए तो एक्सपर्ट से सलाह लें।

डिप्रेशन: अगर किसी व्यक्ति के मन में उदासी और जीने से अरुचि की भावना लंबे समय तक बनी रहे, तो ऐसी मनोदशा को डिप्रेशन कहा जाता है। आजकल महिलाओं में यह समस्या तेजी से बढ़ रही हैं।

प्रमुख लक्षण: अकेलापन और खालीपन महसूस करना, ज्यादा सोना या अनिद्रा, ओवर ईटिंग या भूख न लगना, हीन भावना, आत्मविश्वास में कमी, डिप्रेशन के लक्षणों में शामिल हैं।

बचाव-उपचार: अपनी रुचि से जुड़े कार्यों में स्वयं को व्यस्त रखें, खुशमिजाज लोगों से दोस्ती बढ़ाएं, कॉमेडी शोज देखें, बच्चों के साथ वक्त बिताएं, घूमने-फिरने जाएं, धार्मिक गतिविधियों में शामिल हों, बागवानी करें या घर में कोई पालतू जानवर रखें। ऐसे छोटे-छोटे प्रयास डिप्रेशन दूर करने में मददगार होते हैं। जरूरत महसूस होने पर साइकिएट्रिस्ट से सलाह लें। ❀

प्रस्तुति: विनीता

ट्रक ऑप्रेटरों को सड़क सुरक्षा व नशे के प्रति जागरूक किया

एक व्यक्ति के नशे की लत उसके पूरे परिवार को कर देती है बर्बाद : सत्यप्रकाश

■ सड़क पर ज्यादातर दुर्घटनाएं नियमों की अनेदखी के कारण होती हैं

बहादुरगढ़। ट्रक ऑप्रेटरों को जागरूक करते एसआई सत्यप्रकाश सिंह। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सड़क सुरक्षा सेल की ओर से रोहद स्थित ट्रक यूनियन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा सैल के प्रभारी सतीश कुमार व उप निरीक्षक सत्य प्रकाश की टीम ने ट्रक ऑप्रेटरों को यातायात नियमों की जानकारी दी। साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया तथा नशे के दुष्प्रभाव भी बताए गए। एसआई सत्यप्रकाश ने कहा कि नशा न केवल शारीरिक बल्कि सामाजिक, आर्थिक नुकसान भी करता है। इसकी वजह से अपराध बढ़ता है। एक व्यक्ति के नशे की लत उसके पूरे परिवार को बर्बाद कर देती है। हमें नशे से दूर रहना चाहिए और इसके खात्मे के लिए प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि आजकल साइबर अपराध बढ़ रहा है। केवल जागरूकता के बल पर ही इन वारदातों से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सड़क पर ज्यादातर दुर्घटनाएं नियमों की अनेदखी के कारण होती हैं। इसलिए नियमों का पालन करना चाहिए। अपनी लेन में संयमित गति में वाहन चलाना चाहिए। वाहनों के दस्तावेज दुरुस्त रहने चाहिए। यदि सड़क पर कोई घायल दिखे तो उसकी मदद करें। आईडीटीआर से प्रदीप शर्मा, सहायक उप निरीक्षक राखी और ट्रक ड्राइवर इस अवसर पर मौजूद रहे।

आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी अवैध भंडारण नहीं करें: उपायुक्त

झज्जर। बैठक के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ चावल, गेहूं, दालें, खाद्य तेल सब्जियां, दूध एवं दुग्ध उत्पाद, दवाइयां, पेट्रोल-डीजल जैसी आवश्यक वस्तुओं का अनावश्यक भंडारण दंडनीय है

वर्तमान परिस्थितियों के दृष्टिगत प्रशासनिक सतर्कता और नागरिक सहयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने गैस एजेंसी एसोसिएशन, पेट्रोल पंप एसोसिएशन व किरयाणा एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की।

बैठक में जिले में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति, स्टॉकिंग की स्थिति और सुरक्षा मानकों पर विस्तार से चर्चा की गई। डीसी ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत जिला झज्जर में आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी और अवैध भंडारण कानूनन अपराध माना जाएगा। उन्होंने बताया कि इस आदेश के अंतर्गत चावल, गेहूं, दालें, खाद्य तेल, सब्जियां, दूध एवं दुग्ध उत्पाद, दवाइयां, पेट्रोल-डीजल जैसी आवश्यक वस्तुओं का अनावश्यक भंडारण दंडनीय है। उन्होंने पेट्रोल पंप और गैस एजेंसियों के प्रतिनिधियों को सुरक्षा मानकों की पूरी अनुपालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मीटिंग में आईओसीएल प्रतिनिधि अश्विन यादव, बीपीसीएल प्रतिनिधि अवनीश कुमार, पेट्रोल पंप एसोसिएशन प्रधान नसीब कादियान, गैस एजेंसी एसोसिएशन प्रधान सतबीर दहिया, किरयाना होलसेल एसोसिएशन प्रधान प्रकाश सिंह अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

कॉमर्स ओलंपियाड में एचडी के तीन विद्यार्थी प्रथम

हिंदी, रिजनिंग व कंप्यूटर ओलंपियाड में भी विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ समारोह में देशभर से करीब 60 हजार विद्यालयों ने लिया था भाग

डॉक्टर भीमराव आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में 22वीं उत्कृष्टता शिक्षा समारोह में एचडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साल्हावास के तीन विद्यार्थियों ने कॉमर्स ओलंपियाड में प्रथम रैंक प्राप्त करके कीर्तिमान स्थापित किया है। विद्यालय के एनटीएसई प्रमुख आशीष यादव ने बताया कि इनके अलावा तीन विद्यार्थियों ने हिंदी, रिजनिंग व कंप्यूटर ओलंपियाड़ में द्वितीय और एक विद्यार्थी ने तृतीय स्थान प्राप्त कर प्रोत्साहन राशि जीती।

उन्होंने बताया कि समारोह में देशभर से करीब 60 हजार विद्यालयों ने भाग लिया था। इस दौरान मेजर जनरल आलोक कक्कड़, प्रोफसर अनूप कुमार राजपूत, सुप्रीम कोर्ट से एडवोकेट डॉक्टर अंथनी राजू ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने बताया कि कामर्स ओलंपियाड में विद्यालय के दीपक शर्मा, अंकुश जाखड़ व दीक्षा चाहर ने प्रथम रैंक प्राप्त कर पारितोषिक हासिल किया। हिंदी ओलंपियाड में हर्ष, रिजनिंग ओलंपियाड में नेहा व कंप्यूटर ओलंपियाड में सक्षम जाखड़ ने द्वितीय और जीके ओलंपियाड में तनुज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विद्यार्थियों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर एचडी ग्रुप के डायरेक्टर रमेश गुलिया, सचिव विशाल नेहरा एवं हेमन्त गुलिया, प्राचार्य सतबीर सिंह ने विजेता विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना की।

वैश्य कॉलेज ने स्कॉलरशिप प्रोग्राम लॉन्च किया, फीस में मिलेगी छूट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

■ 18 मई को सुबह 11 बजे स्कॉलरशिप परीक्षा होगी

■ बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे

शहर के वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय ने सत्र 2025-26 में स्नातक स्तर की विभिन्न संकायों के प्रथम वर्ष में प्रवेश पाने की इच्छुक छात्राओं के लिए स्कॉलरशिप प्रोग्राम लॉन्च किया है। इससके तहत होनहार छात्राओं को दाखिले के समय फीस की राशि में छूट दी जाएगी। प्राचार्य डॉ राजवंती शर्मा ने बतांया कि महाविद्यालय की इस दाखिला नीति के तहत आगामी सत्र में स्नातक स्तर पर बीए, बीकॉम, बीसीए व बीएससी फिजिक्ल साइंस में दाखिला लेने वाली छात्राएं लाभांवित होंगी।

प्रोग्राम के अंतर्गत 18 मई को सुबह 11 बजे स्कॉलरशिप परीक्षा होगी। इसमें 12वीं कक्षा उतीर्ण कर चुकी अथवा 12वीं की परीक्षा परिणाम का इंतजार कर रही छात्राएं हिस्सा ले सकेंगी। परीक्षा में 90 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को कुल दाखिला शुल्क में से 10 प्रतिशत तथा 80 प्रतिशत से 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को 5 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। यह परीक्षा कुल 25 मिनट की होगी, जिसमें छात्राओं से 12वीं स्तर तक के विभिन्न विषयों से संबंधित 30 बहुविकल्पीय/वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे तथा नेगेटिव मार्किंग नहीं होगी। इससे होनहार छात्राओं का मनोबल बढ़ेगा व उन्हें आर्थिक लाभ होगा।

कैंप में 200 लोगों की आंखें और दांत जांचे

बहादुरगढ़। उड़ान सेवा समिति द्वारा गांव नूना माजरा में नेत्र एवं दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में लगभग 200 मरीजों की आंखों व दांतों की जांच की गई। नेत्र रोग चिकित्सक डॉ सुनील दत्त ने लोगों की आंखें जांची और सावधानी बरतने की सलाह दी। जबकि डॉ नेहा ने कैंप में लोगों के दांत जांचते हुए इनका ध्यान रखने का परामर्श दिया। सरपंच जयभगवान ने कहा कि ऐसे कैंपों से लोगों को घर के निकट निशुल्क चिकित्सा परामर्श मिल जाता है। इस मौके पर समिति अध्यक्ष अनिल जून, गजेंद्र सिंह, प्रवीण जून, पवन कुमार, आदेश जून, कृष्ण कौशिक, विकास जून, अशोक कुमार, सूरज प्रकाश, डॉ संजू जून, देवेंद्र प्रताप, हरदीप जून और पूर्व सरपंच वीरेंद्र कौशिक आदि उपस्थित रहे।

नर्सिंग अफसरों ने ली अपने कार्य को ईमानदारी से करने की शपथ

झज्जर। अपने कार्य को ईमानदारी से निभाने की शपथ लेते हुए नर्सिंग अधिकारी। फोटो : हरिभमि

हरिभूमि न्यूज. झज्जर

ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत किसी भी प्रकार के अवकाश चल रहे नर्सिंग अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए अपनी ड्यूटी पहुंचे। इस दौरान नर्सिंग ऑफिसर अंजु ने सभी नर्सिंग अधिकारियों को अपना काम ईमानदारी से करने की शपथ ली। कार्यक्रम में नर्सिंग अधिकारी कविता ने कहा कि ऐसे में हमारे लिए देशहित सर्वोपरि है। हम देश के लिए समर्पित है। उन्होंने आतंकी हमले में काल का ग्रास बने नागरिकों व ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देश रक्षा की खातिर अपने प्राणों की बाजी लगाने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर मैट्रन कृष्णा, सीनियर नर्सिंग अधिकारी सुदेश राठी, संतोष, नर्सिंग अधिकारी भावना, रीनू, सुमन दहिया, मंजू कादियान, मोनिका सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। शिक्षकों व विद्यार्थियों के साथ पौधारोपण के दौरान उपस्थित त्रिवेणी बाबा। फोटो : हरिभमि

बुद्ध पूर्णिमा पर किया पौधरोपण

झज्जर। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान साल्हावास में बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विशेष रूप से उपस्थित त्रिवेणी बाबा द्वारा शिक्षकों व विद्यार्थियों के साथ संस्थान परिसर में पीपल के 11 पौधे रोपित किए। उन्होंने बताया कि उन्होंने आगामी बुद्ध पूर्णिमा तक 2587 पीपल के पौधे या बौधि वृक्ष रोपित करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे सार्वजनिक स्थानों पर कम से कम एक पीपल का पौधा लगाए। इस मौके पर मान अधीक्षक सत्यवान, वर्ग अनुदेशक सोमवीर, कुलदीप सिंह, अनुदेशक सुरेश कुमार, लक्ष्मण सुथार, नरेश कुमारी व अनुदेशिका पिंकी रानी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

नर सेवा से मिलता है भगवान का आशीर्वाद : आनंद सागर

हरिभूमि न्यूज. झज्जर

संत गरीबदास जी के 308वें अवतार दिवस पर शहर के अंबेडकर चौक पर मीठे पानी की छबील लगाकर राहगीरों की प्यास बुझाई गई। ठंडे पानी की छबील का शुभारंभ करते हुए संत गरीब दास फाउंडेशन व वरिष्ठ भाजपा नेता आनंद सागर ने कहा कि नर सेवा से ही प्रभु आशीर्वाद की प्राप्ति होती है। उन्होंने बताया कि आज बैसाख पूर्णिमा के अवसर पर सतगुरू गरीबदास जी का अवतार दिवस अनेक स्थानों पर धूमधाम से मनाया गया। कहीं भंडारे का आयोजन किया गया तो कहीं पर वाणी के अखंड पाठ हुए तो कहीं सत्संग व अन्य धार्मिक आयोजन के माध्यम से सतगुरु को नमन किया गया।

रइस दौरान आनंद सागर ने स्वयं भी राहगीरों में मीठा जल वितरित किया। इस मौके पर प्रकाश धनखड़, भानू राम मास्टर, जयपाल छिक्कारा, ओमपाल धनखड़, बिजेंद्र दलाल, अशोक यादव, राकेश धनखड़, पवन मदान, खुशी राम, राजू, सुमेर राज पुरोहित, दीपक, रिंकू, रेयान धनखड़ सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

आनंद दास आश्रम में सत्संग का आयोजन

पूजा-पाठ और मांगलिक कार्यों में नहीं पहनने चाहिए काले कपड़े : अजयदास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। स्थानीय कोसली रोड स्थित आनंद दास आश्रम में भजनों का आनंद लेते हुए महिलाएं। फोटो : हरिभमि

स्थानीय कोसली रोड स्थित आनंद दास आश्रम में महिला कीर्तन मंडली द्वारा सत्संग का आयोजन किया गया। महंत अजय दास महाराज ने कहा कि हिंदू धर्म में पूर्णिमा तिथि का विशेष महत्व है। वैशाख पूर्णिमा के दिन पीपल की आराधना करने से भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि पीपल के वृक्ष में स्वयं श्रीहरि का वास होता है। इस कारण यह दिन बेहद शुभ और पवित्र माना गया है। इस दिन पीपल के पेड़ की पूजा से पूर्वज प्रसन्न होते हैं। साथ ही इस अवसर पर पीपल का पौधा रोपना भी शुभ माना गया है।

सत्यनारायण की कथा सुनने व पढ़ने का भी विशेष महत्व : पीपल पर दूध, जल और काले तिल चढ़ाए जाएं, तो पितरों की कृपा प्राप्त होती है। पूर्णिमा तिथि को गौतम बुद्ध का जन्म भी हुआ था, जिनको भगवान विष्णु का 9वां अवतार भी माना जाता है। वैशाख पूर्णिमा के दिन सत्यनारायण की कथा सुनने व पढ़ने का भी विशेष महत्व है। मान्यता है कि ऐसा करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं। इस दिन व्रत रखने, दान करने और पूजा-पाठ करने से जीवन में सुख-समृद्धि और शांति आती है। हिंदू धर्म में पूजा-पाठ और मांगलिक कार्यों में काले रंग के कपड़े नहीं पहनने चाहिए। पूजा करते समय साफ सुथरे वस्त्र पहनकर पूजा अर्चना करनी चाहिए।

कवि सम्मेलन में सेना के पराक्रम पर आधारित ओजपूर्ण कविताएं सुनाई

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में कवियों को सम्मानित करते आयोजक व अतिथि। फोटो : हरिभमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

श्री राम सेवा समिति के तत्वावधान में रविवार को आत्मशुद्धि आश्रम में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। आश्रम के अधिष्ठाता आचार्य विक्रम देव व प्रख्यात शिक्षाविद् प्रवीण शर्मा के सानिध्य में देर शाम तक चले इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कवि कृष्ण गोपाल विद्यार्थी ने की। जबकि संचालन उत्तराखंड से पधारे कवि डॉ सुरेंद्र जैन ने किया।

अलीगढ़ की कवयित्री गीतू माहेश्वरी की वंदना से शुरू हुए इस काव्योत्सव का शुभारंभ पहलगाम की घटना व भारतीय सेना के पराक्रम पर आधारित कविता कौशिक की ओजपूर्ण रचना से हुआ। कार्यक्रम में आयोजक कुमार राघव व संयोजिका ईशा मालू के साथ कवि-कलाकार विरेंद्र कौशिक ने जहां मातृशक्ति को अपने भाव पुष्प अर्पित किए। वहीं सागरनामा साहित्यिक मंच के प्रधान सुरेंद्र सागर व हिसार के कवि कृष्ण आर्य ने गजलों, गीतों व मुक्तकों के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। दिल्ली की युवा कवयित्री माही राय मुंतजिर ने भी जीवन के विभिन्न पहलुओं से जुड़े शब्द चित्र प्रस्तुत किए। गीतू माहेश्वरी ने जहां श्रंगार रस के गीतों और मुक्तकों से जीवन में प्रेम के महत्व को दर्शाया। वहीं ऋतु राधिका ने कान्हा के प्रेम में डूबी रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। डॉ सुरेंद्र जैन व कृष्ण गोपाल विद्यार्थी ने राष्ट्रप्रेम का संदेश देते हुए काव्यपाठ किया।

बहादुरगढ़। हवन में आहुति डालती शीला राठी व अन्य परिजन। फोटो : हरिभमि

हवन के साथ नफे सिंह फ्यूल स्टेशन शुरू

बहादुरगढ़। बाइपास पर सेक्टर-9 के सामने हवन के साथ स्व. नफे सिंह राठी फ्यूल स्टेशन की शुरुआत हुई। सोमवार को नए बस अड्डे के नजदीक इस पंप का शुभारंभ इनेलो की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शीला नफे सिंह राठी ने किया। इस दौरान कपूर राठी, भूपेंद्र राठी, दीपक राठी व पार्षद जितेंद्र राठी आदि मौजूद रहे। हवन के पश्चात आयोजित भंडारे में सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। शीला नफे सिंह राठी ने कहा कि यहां लोगों को बेहतरीन सेवाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि स्व. नफे सिंह राठी का परिवार भी उनके पदचिह्नों पर चलते हुए लोगों की समस्याओं को हल कराने व सभी सुविधाएं मुहैया कराने का काम निरंतर करता रहेगा।

खबर संक्षेप

प्रिंसिपल नीरजा को मिला सम्मान

बहादुरगढ़। दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में सिलवर जोन फाउंडेशन ने बहादुरगढ़ स्थित डीपीएस की प्रिंसिपल नीरजा को भी यह 22वां उत्कृष्टता सम्मान मिला है। उन्होंने सम्मान के लिए आयोजकों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा का मंदिर है। इस मंदिर से मिलने वाले संस्कार बच्चों का भविष्य संवारते हैं। बच्चों के जीवन में शिक्षक की भूमिका भी अभिभावक से कम नहीं होती। हमारा एक ही उद्देश्य होना चाहिए कि बच्चे पढ़ लिखकर आगे बढ़ें और राष्ट्र को मजबूत करें।

मुख्यमंत्री से मिलकर लगाई गुहार

बहादुरगढ़। प्राइवेट स्कूलों का एक प्रतिनिधिमंडल ग्रीवेंस कमेटी मेंबर जसबीर सैनी की अगुवाई में मुख्यमंत्री नायब सैनी से मिला। प्रतिनिधिमंडल में वीरेंद्र सैनी पानीपत, देवेंद्र वशिष्ट रोहतक, संजय दलाल झज्जर, नवनीत शर्मा यमुनानगर, साहब सिंह रादौरा, मान सिंह, देवेंद्र शर्मा, विपिन, महावीर करनाल आदि ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपना पक्ष रखा। सीएम ने आश्वासन दिया कि वरिष्ठ अधिकारियों व प्राइवेट स्कूल संचालकों की मीटिंग बुलाकर समाधान निकाला जाएगा।

छावनी मौहल्ला के प्रजापति मंदिर में कार्यक्रम का आयोजन

मंदिर में प्रतिमाओं की प्राण- प्रतिष्ठा महिलाओं ने निकाली शोभायात्रा

कलश यात्रा मंदिर से शुरू होकर शहर के मुख्य चौक-चौराहों से होते हुए वापस मंदिर परिसर में हुई संपन्न, महिलाओं ने धार्मिक भजनों की धुनों पर किया नृत्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

छावनी मौहल्ला स्थित प्रजापति मंदिर में बाबा हनुमान व अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमा की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कराने के उपलक्ष्य में कलश शोभायात्रा व भंडारे का आयोजन किया गया। आयोजक समिति सदस्य देवीचन्द खोहाल ने बताया कि मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा समारोह की शुरूआत हवन के साथ हुई। मौहल्लावासियों ने हवन में भागीदारी करते हुए आहुति डालकर सर्व मंगल की कामना की। इसके उपरांत कलश शोभयात्रा निकाली गई जो मंदिर परिसर से होकर शहर के मुख्य चौक-चौराहों से होते हुए वापिस मंदिर परिसर पहुंच कर संपन्न हुई। कलश यात्रा में सौभाग्यवती महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर धार्मिक भजनों की धुनों पर नृत्य किया। मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा उपरांत मंदिर परिसर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर नरेश खोहाल, राजेश खोहाल, राजेश उर्फ राजू, रामकिशन, पप्पू, राजकुमार, रामचरण, राजेश राजौरा, बबलू, दिनेश, शेर सिंह, दयाराम, अशोक, बिजेंद्र, शिशु सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। कलश शोभायात्रा के दौरान धार्मिक भजनों पर नृत्य करते हुए सौभाग्यवती महिला श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

मंदिर में हुआ श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव

बहादुरगढ़। शहर के झज्जर रोड स्थित प्राचीन श्री श्याम मंदिर विश्राम धाम में बीती रात श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। संकीर्तन में संजू घनश्याम, धर्मेश दर्शन, सुरेंद्र पंकज, निरंजन गर्ग, तुषार गौड़, कुमार देवेंद्र झुंझुनू आदि ने अपनी मधुर वाणी से खाटू वाले श्री श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया। भजनों पर श्रद्धालु भक्ति भाव से झूमते नजर आए।

बामड़ोली में दादा खेतवाला मंदिर में कीर्तन व भंडारा

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून ने गांव बामड़ोली में जोंती रोड पर स्थित दादा खेतवाला मंदिर पर बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित विशाल भंडारे व कीर्तन कार्यक्रम में शिरकत की। समिति सदस्यों ने उनका स्वागत व सम्मान किया। राजेश जून ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते हुए अपनी नेक कमाई से 11 हजार रुपए का दान भी दिया। विधायक ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से आपसी सद्भाव बढ़ता है। मंदिर पर हुए कीर्तन में श्रद्धालुओं ने भजनों के माध्यम से दादा खेतवाला की महिमा का वर्णन किया।

बहादुरगढ़। विजेता तैराकों को पुरस्कृत करते अनिल खत्री व अन्य।

इंवीटेशनल में गुरुग्राम झज्जर के तैराक जीते

- तैराकों ने 26 गोल्ड, 19 सिल्वर 20 कांस्य पदक किए अपने नाम।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर की एचएल सिटी में स्थित चैम्पियंस एक्वेटिक एकेडमी में पहली इंवीटेशनल स्वीमिंग चैम्पियनशिप का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सीएए गुरूग्राम के तैराकों ने 26 गोल्ड, 19 सिल्वर और 20 कांस्य पदक जीते। वहीं सीएए बहादुरगढ़ के तैराकों ने 19 गोल्ड, 16 सिल्वर और 12 कांस्य पदक हासिल किए। सोनीपत के तैराकों ने 18 गोल्ड, 17 सिल्वर और 13 कांस्य पदक हासिल किए।

जूनियर और सब जूनियर ग्रुप में आयोजित स्पर्धा में गुरूग्राम, झज्जर, सोनीपत, फरीदाबाद और पलवल के सैकड़ों तैराकों ने भाग लिया। हरियाणा ओलंपिक संघ के उपप्रधान अनिल खत्री की देखरेख में हुई प्रतियोगिता को 5 ग्रुप्स में बांटा गया था। ग्रुप वन में अर्जुन सिंह, ग्रुप 2 में रोहित और ग्रुप 5 में अवनी भारद्वाज को सर्वश्रेष्ठ तैराक चुना गया। सभी तैराकों ने 4-4 गोल्ड मैडल हासिल किए हैं। अनिल खत्री ने विजेता तैराकों को मैडल देकर सम्मानित भी किया।

प्रदेश का बढ़ा मान

हरियाणा के तैराकों को प्रतियोगी माहौल देकर उनकी तैयारियों को ज्यादा मजबूत किया जा रहा। सांसद धर्मबीर सिंह के दिशानिर्देशन में हरियाणा के तैराक बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। खेलो इंडिया यूथ गेम्स में भी हरियाणा ने तैराकी में दो गोल्ड और दो सिल्वर मेडल जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। चैम्पियनशिप में अतुल धनखड़, नितेश खत्री, जयवर्धन राव, शोभित गिल, वीर दलाल, सक्षम जून, मयंक तुषीर, मयंक यादव, मयंक शेरावत, ईरा गहलोत, दिवांशु गुलिया, प्रियांशी दलाल, पाखी लांबा, प्रांजल हुड्डा, आरव भारद्वाज, आरव देशवाल, सताकसी, हर्षिता, उद्धव मलिक, चैतन्य मलिक, ध्रुव, मयंक डागर, रिद्धी, वीर राठी, अरमान मान, देव कनिका, लक्ष्य, निश्चय, प्रिंस और हिमेश खत्री ने मेडल जीते। आयोजन में तैराकी कोच साई जाधव और पदमपाल ने अहम भूमिका निभाई है। इस मौके पर हरियाणा तैराकी संघ के उपाध्यक्ष रवि सिंगारी, सदस्य सुरेश जून, सुनील खत्री, बलवान और विकास आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। खिलाड़ी को विजयी घोषित करती रेफरी। फोटो : हरिभूमि

धीरज, निखिल, राधिका, वीर कार्तिक ने जीते गोल्ड मेडल

- बादली स्पोर्ट्स एकेडमी में 8वीं जिला किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता।

बहादुरगढ़। बादली स्थित जेके स्पोर्ट्स एकेडमी में आठवीं झज्जर जिला किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता हुई। जूनियर, सब जूनियर व सीनियर वर्ग के मुबाले हुए।

कैडेट 28 केजी में वीर गुलिया ने गोल्ड, 32 केजी यंगर जूनियर में धीरज ने गोल्ड तथा केनव से सिलवर मेडल जीता। निखिल ने 47 केजी यंगर जूनियर में गोल्ड, अमित ने सिलवर, 45 केजी में राजेश ने गोल्ड मेडल जीता। राधिका ने 60 केजी जूनियर में गोल्ड, नैंसी ने सिलवर, 37 केजी कैडेट में अभय ने गोल्ड, 47 केजी में कार्तिक ने गोल्ड, 54 केजी जूनियर में नितिन ने गोल्ड, 40 केजी यंगर जूनियर में वंश ने गोल्ड, 57 केजी जूनियर में नसीब, 63 केजी में रौनक ने गोल्ड जीते। वहीं सीनियर में मधु ने गोल्ड तथा 84 प्लस भारवर्ग में मयंक ने गोल्ड, जबकि अविता ने 47 केजी सीनियर में सिलवर मेडल जीता। विजेताओं को ट्रॉफी व मेडल से सम्मानित किया गया। ब्लॉक समिति से अजय कुमार, प्रदीप कुमार, एडवोकेट सुमित नारा, महावीर, राकेश, हवा सिंह मास्टर संत कुमार, राष्ट्रपति अवॉर्डी नेहा, कोच जसवंत, आरती, रामलाल, धर्मेंद्र व सुखचैन आदि मौजूद रहे।

कैंसर पीड़ितों के लिए शिविर में 100 लोगों ने किया रक्तदान

- विभिन्न संस्थाओं ने बस स्टैंड परिसर में लगाया शिविर।

झज्जर। सोमवार इंडेप्थ विजन फाउंडेशन, सेवा ट्रस्ट यूके इंडिया तथा हरियाणा रोडवेज कर्मचारियों द्वारा कैंसर पीड़ितों की सहायता के लिए बस स्टैंड परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें एक सौ लोगों ने रक्तदान करते हुए पुण्य कमाया। रक्त एकत्रित करने के लिए राष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान, एम्स बाढ़सा के रक्तकोष की टीम ने किया। शिविर में जीएम रोडवेज संजीव तिहाल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए रक्तदाताओं का उत्साहवर्द्धन किया। संजीव तिहाल ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के चलते आवश्यकता पड़ने पर और भी शिविर आयोजित किए जाएंगे। प्रधान रामबीर ने बताया कि देश हित के लिए हर नागरिक की जिम्मेदारी बनती है की आगे आकर अपना सहयोग दे। उन्होंने बताया कि कैंप को सफल बनाने में बिजेंद्र, कृष्ण, डीटीएस इंचार्ज अरुण, विक्की तथा अन्य सभी रोडवेज क्रमचारियों का सहयोग रहा।

झज्जर। शिविर में रक्तदाता का उत्साह बढ़ाते जीएम रोडवेज संजीव तिहाल।

शिविर में 326 लोगों ने कराई स्वास्थ्य जांच

- संस्कारम् अस्पताल व ट्रॉमा सेंटर के डॉक्टरों ने न्यौला में की जांच।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। शिविर में लोगों के स्वास्थ्य की जांच करते हुए चिकित्सीय टीम।

संस्कारम अस्पताल एंड ट्रॉमा सेंटर के डॉक्टर्स की टीम द्वारा न्यौला गांव में एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। सुबह दस बजे से दोपहर दो बजे तक आयोजित कैंप में 326 लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। शिविर में डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, नेत्र विकार, त्वचा रोग, श्वास संबंधित रोग, स्त्री रोग, एवं बच्चों की बीमारियों की जांच की गई। प्राथमिक उपचार तथा आवश्यक दवाइयां भी निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। गर्भवती महिलाओं, वृद्धजनों, एवं बच्चों की विशेष रूप से जांच कर उन्हें पोषण, स्वास्थ्य एवं नियमित जांच के बारे में जागरूक किया गया। टीम में डॉक्टरों एवं स्टाफ के रूप में डॉक्टर तरुण, डॉक्टर शिल्पा, डॉक्टर जितेंद्र, डॉक्टर अजय चाहर, विपिन, पूनम, योगेश, रोहित, मुकेश, ललिता, जयप्रकाश ने सक्रिय भूमिका निभाई। संस्कारम ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल इलाज करना नहीं, बल्कि लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाना भी है। जब तक हमारा स्वास्थ्य उत्तम नहीं होगा, हम किसी भी कार्य में सफल नहीं हो सकते। संस्कारम हॉस्पिटल इस मिशन के साथ आगे बढ़ रहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर चिकित्सा सेवाएं सुलभ कराई जाएं। हमारा प्रयास है कि हर व्यक्ति तक गुणवत्ता पूर्ण और मानवीय चिकित्सा सेवा पहुंचे। ग्रामीणों ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि अक्सर दूर-दराज के क्षेत्रों से अस्पताल तक पहुंचना कठिन होता है। ऐसे में यह शिविर उनके लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ है।

रेखाचित्र के माध्यम से किया महात्मा बुद्ध को नमन

झज्जर। भदाना गांव की चौपाल में बनाया गया विशाल रेखा चित्र। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। क्षेत्र के गांव भदाना की चौपाल से भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा व अंशुल शर्मा ने मिलकर बुध पूर्णिमा पर महात्मा बुद्ध का एक विशाल रंगोली रेखाचित्र बनायाय। मुकेश शर्मा ने बताया कि भगवान गौतम बुद्ध का जन्म वैशाख मास की पूर्णिमा को हुआ था, इस महीने की पूर्णिमा को बुद्ध पूर्णिमा कहा जाता है। महात्मा बुद्ध को भगवान विष्णु का नौवां अवतार माना जाता है। वहीं इतिहासकार मानते हैं कि गौतम बुद्ध का जन्म 563-483 ई.पू. के मध्य में हुआ था। उनका जन्म स्थल लुम्बिनी में हुआ था जो कि वर्तमान में नेपाल का हिस्सा है। महात्मा बुद्ध ने बुध पूर्णिमा के दिन ही कुशीनगर में महाप्रयाण यानी देह त्याग किया। इस चौपाल रंगोली में पूर्व सैनिक देवीदत्त शर्मा, सूबेदार सुभाष शर्मा, रामवतार शर्मा, रमेश कौशिक, मास्टर वेदप्रकाश शर्मा, नंद किशोर शर्मा, वेदपाल शर्मा, नरेंद्र शर्मा, अमीर सिंह कौशिक, केशव शर्मा, अर्जुन शर्मा, अलीशा शर्मा आदि ने मौजूद रहे।

मेधावी छात्रों को दिए लैपटॉप व टैब

बहादुरगढ़। प्रिंसिपल व शिक्षकों के साथ पुरस्कृत विद्यार्थी।

बहादुरगढ़। श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल में ओलंपियाड एग्जाम में भाग लेने वाले मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्रिंसिपल ललिता द्वारा विद्यार्थियों को लेपटॉप, स्मार्ट वॉच, टैब, लंच बॉक्स, ज्योमेट्री व अन्य पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

ओलंपियाड इंचार्ज उषा, रविराज और विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी की चमक देखने को मिली। प्राचार्या ललिता ने बधाई देते हुए कहा कि ओलंपियाड एक तरह की प्रतिस्पर्धी परीक्षा है।

यह हर साल स्कूल में आयोजित की जाती है, ताकि बेहतरीन क्षमता, प्रतिभा, योग्यता और आईक्यू वाले असाधारण छात्रों को चुना जा सके। इसका मुख्य उद्देश्य वैचारिक शिक्षा को बढ़ाना है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैव्ल्स के ऊपर, 8295852900

सीजेएम और डीएलएसए सचिव ने की डीसी से मुलाकात

झज्जर। देश के मौजूदा माहौल के दृष्टिगत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हर संभव सहयोग के लिए तत्पर है। प्राधिकरण के अध्यक्ष व जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय तेवतिया के निर्देशानुसार सचिव एवं सीजेएम विशाल ने उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल से मुलाकात कर प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने की बात कही। सीजेएम विशाल ने जानकारी दी कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चार टीमें गठित की गई हैं जो आपात स्थिति में तत्काल सहायता देने के लिए पूरी तरह तैयार रहेंगी।

उपलब्धि महिला व पुरुष खिलाड़ियों ने विभिन्न आयुवर्ग की प्रतियोगिताओं में लिया भाग

गुरुग्राम, नोएडा और दिल्ली में जीते बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के कई धावक

हाफ मैराथन साढ़े 10 किमी. में गुलाब सिंह ओवरऑल विजेता गोल्ड मेडल जीता

- ब्रह्म प्रकाश, सुदेश कुमार, चंदन अमृत कौर, किरण, धर्मवी, सुदेश नीरज ने अपने वर्ग में जीते पदक।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बीआरजी के धावकों ने तीन शहरों में आयोजित मैराथनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बहादुरगढ़ का नाम रोशन किया। गुरुग्राम, नोएडा और द्वारका में आयोजित कार्यक्रमों में बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के सदस्यों ने कई पदक जीते।

दीपक छिल्लर ने बताया कि गुरुग्राम में हुई छठी ग्रैंड हाफ मैराथन में हुई साढ़े 10 किलोमीटर दौड़ में बीआरजी के गुलाब सिंह ने ओवरऑल विजेता बनकर स्वर्ण पदक हासिल किया। ब्रह्म प्रकाश मान ने 45 से 60 आयु वर्ग में दूसरा स्थान प्राप्त किया।

वहीं 21.1 किलोमीटर हाफ मैराथन में सुदेश कुमार ने 45-60 आयु वर्ग में तीसरा स्थान प्राप्त किया। अशोक कुमार ने 60 प्लस आयु वर्ग में पहला स्थान जीता। पांच किलोमीटर दौड़ में चंदन ने 30-45 आयु वर्ग में पहला स्थान, धर्मवीर सैनी ने दूसरा स्थान व सुनील कुमार ने तीसरा स्थान पाया। रोहताश सैनी ने 45-60 आयु वर्ग में पहला स्थान, संजू सैनी ने 8-18 आयु वर्ग में दूसरा स्थान, अमृत कौर ने महिलाओं की 30-45 आयु वर्ग में पहला स्थान, किरण नरूला ने दूसरा स्थान पाया। दीपक छिल्लर और सुदेश तोमर ने पेसर के रूप में सहयोग किया। नीरज छिल्लर बतौर एंबेसडर शामिल हुए। द्वारका में हुई 'रन फॉर हर' में डॉ. किरण छिल्लर को एंबेसडर के रूप में आमंत्रित किया गया था। जबकि नोएडा में हुई मदर्स डे रन में बीआरजी के राजेश रघुवंशी, शमशेर सिंह, रणबीर सांगवान, सत्यमवान डागर और राजिंदर सिंह ने भाग लिया। रणबीर सांगवान ने 55 प्लस आयु वर्ग में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

बहादुरगढ़। जीत के बाद गुरुग्राम में उत्साह जाहिर करते बीआरजी के धावक।